

## ग्राम पंचायतों में डजिटल हस्ताक्षर के बगैर नहीं होगा भुगतान

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में शासन ने भ्रष्टाचार पर वार करते हुए अब पश्चिम चंपारण ज़िले की ग्राम पंचायतों में डोगल लागू कर दिया है। इसके तहत सभी ग्राम पंचायतों के मुखिया व सचिवों को 'डजिटल सग्नेचर' बनाना आवश्यक है।

### प्रमुख बदि

- 10 जून, 2022 को बहिर राज्य के पश्चिमी चंपारण के बीडीओ पंकज कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया किराज्य शासन ने 15वीं वतित आयोग की राशनिकासी के लयि डजिटल सग्नेचर सर्टकफिकेट आवश्यक कर दिया है।
- अब बना डजिटल सग्नेचर के राज्य वतित व 15वें वतित की धनराशिका भुगतान नहीं हो पाएगा। शासन की ओर से वतित्य राशनिकासी में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर यह कदम उठाए गए हैं।
- डजिटल सग्नेचर नहीं बनवाने के चलते एक दर्जन ग्राम पंचायतों के खाता संचालन पर रोक लगा दी गई है।
- बीडीओ ने बताया किरा पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के नरिदेश के आलोक में ग्राम स्वराज पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रयिा के तहत डीएससी रजसिटरेशन, वेंडर एजेंसी, रजसिटरेशन, लेखांकन एवं अन्य तकनीकी कार्य के लयि नरिदेश दिया गया है, जसिसे जनप्रतनिधियों को अवगत होना अर्त आवश्यक है, ताक विकास योजनाओं को गत मिलि सके।